

हिन्दी प्रादेशिक समाचार

आकाशवाणी चंडीगढ़

(तिथि 31 दिसंबर 2024, समय 1305 (5 मिनट))

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन- इसरो ने कल रात स्पेस डॉकिंग एक्सपेरिमेंट- स्पेडेक्स मिशन का सफल प्रक्षेपण किया। श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से इसरो के पीएसएलवी-सी 60 रॉकेट को दो अंतरिक्ष यानों के साथ प्रक्षेपित किया गया। इससे अंतरिक्ष में डॉकिंग के प्रदर्शन में सहायता मिलेगी। पीएसएलवी-सी 60 रॉकेट ने एसडीएक्स-01 यानी चेज़र और एसडीएक्स-02 यानी टारगेट के नाम के दो उपग्रहों को पृथ्वी की निचली कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया। यह दोनों उपग्रह अगले दस दिनों में अंतरिक्ष में डॉकिंग करने के लिए आगे बढ़ाए जाएंगे। स्पेडेक्स मिशन का लक्ष्य अंतरिक्ष में डॉकिंग क्षमता की उन्नत प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन करना है। यह मिशन चंद्र अभियान और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन जैसे भविष्य के कार्यक्रमों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसरो अध्यक्ष एस सोमनाथ ने बताया कि दोनों उपग्रहों के पैनल सफलतापूर्वक तैनात कर दिए गए हैं। दोनों उपग्रह 20 किलोमीटर की यात्रा करेंगे और फिर डॉकिंग प्रक्रिया शुरू होगी जब दोनों उपग्रह करीब आएंगे और अंतरिक्ष में एक साथ डॉक करेंगे।

हरियाणा के राष्‍ट्र स्‍व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री विपुल गोयल ने हाल ही में हुई ओलावृष्‍टि से फसलों को हुई क्षति का आकलन करने के लिए राष्‍ट्र स्‍व अधिकारियों को गिरदावरी के काम में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। मंत्री ने अधिकारियों से कहा है कि इस संबंध में किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। श्री गोयल ने राज्य में अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा प्रणाली को तत्काल उन्नत करने तथा उसे बेहतर बनाने का भी आह्‍वान किया है। मंत्री कल राष्‍ट्र स्‍व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के काम की समीक्षा कर रहे थे। श्री गोयल ने हाल ही में हुई ओलावृष्‍टि से फसलों को हुए नुकसान का समय पर तथा सटीक आकलन करने पर जोर दिया। श्री गोयल ने कहा कि इन महत्‍वपूर्ण कार्यों में किसी भी प्रकार की देरी या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने ओलावृष्‍टि के कारण नुकसान झेलने वाले किसानों को राज्य सरकार से समय पर मुआवजा और सहायता मिलना सुनिश्चित करने के महत्‍व पर बल दिया।

हरियाणा पुलिस द्वारा हरियाणा 112 इमरॉसी रिस्पांस एंड सपोर्ट सिस्टम (ई आर एस एस) में कार्यरत संचार अधिकारियों को सॉफ्ट स्किल का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। पुलिस महानिदेशक शत्रुघ्नीत कपूर ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम को इस प्रकार से डिजाइन किया गया है ताकि संचार अधिकारी हरियाणा 112 पर प्राप्त होने वाले कॉल को प्रभावी तरीके से समझते हुए उसका जवाब दे सके। इसके अलावा कॉल के दौरान संचार अधिकारी तथा कॉलर के बीच में संदेश की स्पष्टता रहे। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान उन्हें बताया जा रहा है कि उन्हें कॉल करने वाले व्यक्ति से किस प्रकार सही जानकारी एकत्रित करनी है और क्या और कैसे प्रश्न पूछने हैं ताकि उस व्यक्ति की तुरंत मदद की जा सके। उन्हें यह भी बाते बताता है कि यदि व्यक्ति बहुत ज्यादा परेशान है, घबराया हुआ है तो ऐसी स्थिति में पीड़ित व्यक्ति को किस प्रकार से आश्वस्त करना है, यह प्रशिक्षण अलग-अलग सत्रों में दिया जा रहा है। इन प्रशिक्षण सत्रों के माध्यम से अब तक हरियाणा पुलिस के 172 संचार अधिकारियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

हरियाणा ने पिछले 39 महीनों में लगातार 29 बार प्रगति डैशबोर्ड में शीर्ष स्थान हासिल किया है, जो जून 2021 से राज्य पुलिस बल की निरंतर उत्कृष्टता और प्रतिबद्धता को दर्शाता है। कल चंडीगढ़ में मुख्य सचिव डॉ. विवेक जोशी की अध्यक्षता में हुई अपराध और अपराधी ट्रैकिंग नेटवर्क और सिस्टम (सी.सी.टी.एन.एस.) की राज्य स्तरीय सर्वोच्च समिति की 29वीं बैठक में सामने आई। उल्लेखनीय है कि सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए पोर्टल की निगरानी केंद्रीय गृह मंत्रालय और राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो द्वारा की जाती है। इसके अलावा, हरियाणा पुलिस ने हर समय पोर्टल के माध्यम से प्रदान की जाने वाली नागरिक सेवाओं के लिए आर टी एस डैशबोर्ड पर भी 10 में से 10 अंक हासिल किए हैं। हरियाणा पुलिस ने 26 दिसंबर तक 64 लाख 57 हजार से अधिक आवेदनों को संसाधित करते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा कर लिया है। इस प्रदर्शन के बल पर हरियाणा पुलिस राज्य के सभी विभागों में सबसे आगे रही है, जहां सरल पोर्टल के माध्यम से सबसे अधिक आवेदन संसाधित किए गए हैं। बैठक में बताया गया कि प्रायोगिक परियोजना के लिए चुने गए सिरसा जिले में ई-समन को सफलतापूर्वक लागू किया गया है। मुख्य सचिव को बताया गया कि राज्य में आगामी 31 नवरी तक ई-समन पोर्टल चालू कर दिया जाएगा।